नई दल्लिी। वत्ति मंत्री पी चदिंबरम ने आज वपिक्षी दलों पर नशिाना साधते हु। कहा कि सीबीआई के लि। 'कांग्रेस जांच ब्यूरो' जैसे नामकरण अपने हतिों को साधने के लि। जानबूझकर कि। जाते है।

उन्होंने । कअंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के वषिय 'आर्थकि अपराधों से नपिटने के लि। आपराधकि न्यायकि प्रणाली बनाना' से थो।ा हटकर वचिार रखने पर सम्मेलन में उपस्थति सीबीआई अधकिरियों और वदिेशी प्रतनिधियिों से खेद प्रकट कयिा।

चदिंबरम ने भाजपा या अन्य कसिी दल का नाम ल। बनिा कहा, ''सीबीआई को लेकर कई धारणा। बन गयी है जनिमें उसे 'पजिरे में बंद तोता' से लेकर अपशब्द रूपी नाम 'कांग्रेस जांच ब्यूरो' तक कहा जा रहा है। यह कोई भी व्याख्या सही या सार्थक नहीं है।''

सम्मेलन को संबोधति करते हु। चदिंबरम ने कहा कि कुछ नामकरण सोच-समझकर अपने हतिों को साधने के लि। कि। जाते है।

उन्होंने कहा, ''हल्के-फुल्के तौर पर मै कह सकता हूं कि सीबीआई खुद भी 'असहाय पी।ति' के तौर पर खुद को पेश करती है, जब वह और अधकि अधकिरों तथा स्वायत्तता की बात करती है।''

वत्ति मंत्री ने अपने भाषण को राजनीतकि अंदाज देते हु। कहा, ''बमुश्कलि कोई इस वरिोधाभास पर ध्यान देता होगा जब कोई व्यक्ति सीबीआई को और अधकिार देने की वकालत करता है और फरि सीबीआई की कथति ज्यादती के खलिाफ भी आवाज उठाता है।''

उन्होंने कहा, ''कोई बमुश्कलि यह पूछने की सोचता होगा कि सीबीआई कसिी राजनीतकि दल के कहने पर कैसे चल सकती है जो पछिले 35 साल में 12 साल सरकार में रहा ही नहीं।''

। कदनि पहले ही भाजपा ने आरोप लगाया था कि संप्रग सरकार भ्रष्टाचार से खुद को बचाने के लि। सीबीआई का दुरूपयोग कर रही है। वपिक्षी दल ने सीबीआई को अधकि स्वायत्तता देने की मांग की थी।

प्रधानमंत्री पद के भाजपा के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने । करैली में दावा कयिा था कि सीबीआई और आतंकवादी संगठन इंडयिन मुजाहदिीन को भाजपा के पीछे लगाया गया है क्योंकि सरकार राजनीतकि तौर पर वपिक्षी दल का मुकाबला नहीं कर सकती।

(भाषा)